बुजुर्गों के लिए...

देश के विविध भागों के मोतियाबिन्द पीड़ित बुजुर्ग जिन्हें रोशनी मिली आपके माध्यम से

श्री विष्णु जी, दिल्ली

श्रीमती जसबीर कौर, जम्मू

श्रीमती कुसुम जी, नासिक (महाराष्ट्र)

श्रीमती नथ्था देवी, कासगंज (उत्तर प्रदेश)

श्री मुलतान जी, करनाल (हरियाणा)

श्री हरिभाऊ जी, बड़ौदा (गुजरात)

श्री बिरमावती, गाजियाबाद (एन.सी.आर.)

श्री दूरजन सिंह, भोपाल (म.प्र.)

श्रीमती छगन कँवर, झुन्झुनू (राजस्थान)

श्री रामचन्द्र जी, मुम्बई

श्री महेन्द्र सिंह, पटियाला (पंजाब)

श्रीमती रामप्यारी जी, सोलन (हिमाचल प्रदेश)

साथ चलने का इरादा जब जवाँ हो जाएगा
आदमी मिल आदमी से कारवाँ हो जाएगा

तू किसी के पाँव के नीचे तो रख थोड़ी जमीं
तू भी नजरों में सभी की आसमां हो जाएगा

मूल्य - 5 रुपये वर्ष 2, अंक 8, पृ.सं. 20 संपादक :- कल्पना गोयल

आशीर्वाद -

डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार -

श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

तारांशु

मासिक

मार्च, 2014

अब्राहम लिंकन द्वारा विद्यालय के प्रधानाध्यापक को लिखा गया पत्र,
साभार उद्धृत

ऐ दुनिया, आज मेरे बेटे का स्कूल में पहला दिन है!

ऐ दुनिया, मेरे बच्चे का हाथ थाम लो, आज इसका स्कूल में पहला दिन है। कुछ देर को इसके लिए हर चीज नई और अजनबी होगी, इसलिए मैं उम्मीद करता हूँ कि आप इसके साथ नरमी से पेश आएँ। आप तो जानते ही हैं कि इसका संसार अब तक घर तक ही सीमित था। इसने अपनी चहारदीवारी के बाहर भी झाँका नहीं था। यह अब तक घर का राजा रहा है। अब तक इसकी चोट पर मरहम लगाने और इसकी ठेस लगी भावनाओं को प्यार का लेप लगाने के लिए मैं हमेशा मौजूद था।

लेकिन, अब बात दूसरी होगी। आज सुबह यह सीढ़ियों से उतरकर अपना नन्हा हाथ उत्साह के साथ हिलाएगा और अपनी बड़ी साहसिक यात्रा शुरू करेगा। जिसमें, शायद संघर्ष भी होगा, दुःख भी होगा और निराशा भी होगी।

इस संसार में जीने के लिए इसे विश्वास, प्यार और साहस की जरूरत होगी। इसलिए ऐ दुनिया, मैं उम्मीद करता हूँ कि आप इसके नन्हें हाथों को पकड़कर वे सब सिखाएँगे जो इसे जानना चाहिए। सिखाएँ जरूर, मगर हो सके तो, प्यार से।

मैं जानता हूँ कि इसे एक दिन यह समझना पड़ेगा कि सभी लोग अच्छे नहीं होते – सभी स्त्री–पुरुष सच्चे नहीं होते। इसे यह भी सिखाएँ कि संसार में हर धूर्त के लिए एक अच्छा इंसान भी है। जहाँ एक दुश्मन है तो वहाँ एक दोस्त भी है। इसे शुरू में ही यह सीखने में मदद करें कि बुरे और धौंस जमाने वाले लोगों को ठिकाने लगाना सबसे आसान है।

इसे किताबों की खूबियों के बारे में बताएँ और पढ़ने के लिए प्रेरित करें। कुदरत के छिपे सौंदर्य, जैसे – आसमान में उड़ते पंछी, गुनगुन करते भौरें और हरीभरी वादियों में खिले फूलों को करीब से देखने और जानने के लिए इसे पूरा समय दें। इसे यह भी सिखाएँ कि बेईमानी की जीत से हार जाना कहीं अच्छा है। इसे तब भी अपने विचारों पर विश्वास रखना सिखाएँ जब सब कह रहे हों कि वह गलत है।

मेरे बच्चे को वह शक्ति दें, जिससे वह भीड़ का हिस्सा न बनकर भेड़चाल न चले, जबकि सारा संसार चल रहा हो। इसे यह तो सिखाएँ कि वह दूसरों की बात सुने, लेकिन हर बात सच्चाई के तराजू पर परखें और उनमें से सिर्फ अच्छाई को ही अपनाए।

अपनी अंतरात्मा की आवाज को सोने–चाँदी के सिक्कों से न तौलें। इसे यह सिखाएँ कि वह लोगों के कहने में न आए और अगर वह अपनी सोच में खुद को सही पाता है, तो अपने सही इरादों पर डटा रहे और संघर्ष करें। इसे नरमी से सिखाएँ लेकिन ऐ दुनिया, इसे बिगाड़ें मत और कमजोर न बनाएँ क्योंकि लोहा आग में तपकर ही फौलाद बनता है।

वैसे तो ऐसा कर पाना एक बहुत बड़ी बात है, मगर ऐ दुनिया, फिर भी आप ऐसा करने की कोशिश जरूर करें। आखिरकार वह एक बहुत प्यारा बेटा है।

कल्पना गोयल

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ क्रमांक
प्रधानाध्यापक के नाम एक पत्र	02
अनुक्रमणिका	03
राष्ट्रपति भवन, कालाहांडी, कासगंज में शिविर	04-05
गौरी योजना	06
तृप्ति योजना	07
आनन्द वृद्धाश्रम से	08
वृद्ध	09
मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन - चयन शिविर	10-15
Our Visitor's	16
Tara Contacts	17
We are grateful to them	18
An Englishtened Perspective	19
How to make Donations	19

आशीर्वाद डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

तारांशु मासिक, मार्च, 2014

'तारांषु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाषित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाष कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंषन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेष) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

राष्ट्रपति भवन (दिल्ली), कालाहांडी (उड़ीसा), कासगंज (उत्तर प्रदेश) शिविर

तारा संस्थान के प्रारंभ के समय यह अनुमान था कि देश में बहुत से लोग हैं जिन्हें नेत्र ज्योति तारा के माध्यम से मिलेगी लेकिन इस कार्य की आवश्यकता इतनी है इसका अनुमान बिलकुल नहीं था। केवल तारा नेत्रालय दिल्ली के माध्यम से फरवरी माह के 28 दिनों में 32 शिविर आयोजित किए गए। ये शिविर केवल दिल्ली में केंद्रित नहीं थे बल्कि इनसे दिल्ली, एन.सी.आर., उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और उड़ीसा तक को सेवाएँ दी गईं। फरवरी माह में 3 प्रमुख शिविरों की बात आपसे करना चाहेंगे।

राष्ट्रपति भवन शिविर :– देश के प्रथम नागरिक परम आदरणीय राष्ट्रपति महोदय की सुरक्षा के लिए तत्पर वे जवान जिन्हें अपने और परिवारों के लिए समय ही नहीं है क्योंकि उनकी प्राथमिकता देश है और जब हम देश की राजधानी के दिल ''राष्ट्रपति भवन'' में कैम्प लगाने पहुँचे तो सबसे बड़ा भाव एक गर्व का था कि हम देश के प्रथम नागरिक की सुरक्षा में लगे जवानों की सेवा कर रहे हैं। लम्बा कद, चौड़ा सीना और रौबदार आवाज वाले जवान जब अपनी वर्दी या सादी वर्दी में कतार में लग कर अपनी आँखों की जाँच कराने लगे तो आकर्षक दृश्य बन पड़ा। शिविर में निम्न सेवाएँ दी गईं –

शिविर दिनांक	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
08 फरवरी, 2014	451	2	195	283

देश की सेवा में जुटे हमारे इन भाइयों के लिए जो भी थोड़ा हम कर पाए उसका संतोष हमारे हर कार्यकर्त्ता के मन में रहेगा।

कासगंज शिविर :– दिल्ली से लगभग 250 किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले के भोगपुर गाँव में दिनांक 09 व 10 फरवरी को नेत्र शिविर किए गए षिविर का सौजन्य तारा संस्थान के मुख्य संरक्षक श्री एन.पी. भार्गव सा. ने किया था। श्री भार्गव सा. ने अपने व श्रीमती पुष्पा जी भार्गव के जन्मदिवस (09 फरवरी) के उपलक्ष्य में 160 मोतियाबिन्द के ऑपरेषन करवाने का संकल्प लिया था। षिविर का आयोजन श्री प्रमोद जी राजपूत के द्वारा किया गया।

श्री एन.पी. भार्गव – श्रीमती पुष्पा भार्गव

कासगंज षिविर के दो दिनों में निम्न सेवाएँ दी गईं –

शिविर दिनांक	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
09 व 10 फरवरी, 2014	1748	291	640	1162

देश की सबसे बड़ी जनसंख्या वाले प्रदेश में आगरा, ऐटा जैसे बड़े शहरों के नजदीक एक गाँव से 291 मोतियाबिन्द के रोगी मिलना चकित करने वाला था और हमारे डॉक्टर साहेबान को सबसे ज्यादा आश्चर्य इस बात का था कि अधिकतर रोगी Mature Cataract यानी कि पके हुए मोतियाबिन्द के थे मतलब कि उनका जल्दी से ऑपरेशन नहीं होता तो उनकी आँख जा सकती थी। हमारे देश में ऐसे लाखों लोग हैं जो इस छोटे से ऑपरेशन के बिना अपनी आँखें गंवा देते हैं और बिना आँखों के वृद्ध शरीर कैसे काम करे ये वो व्यक्ति समझ सकता है जो वृद्धावस्था की दहलीज पर कदम रख चुका हैं। यह लेख लिखे जाने तक कासगंज से 160 रोगी ऑपरेशन कराने 20–20 के समूह में अलग–अलग दिन दिल्ली आए और चले गए हैं। ये सिलसिला चलता रहेगा....

कालाहांडी शिविर :– कुछ माह पूर्व तारा के संरक्षक श्री सत्यभूषण जी जैन से बात हुई थी उन्होंने कहा कि उड़ीसा के कालाहांडी में एक शिविर लगाना है। कालाहांडी का नाम सुना था कि देश के सबसे पिछड़े इलाकों में है। यह भी सुना था कि वहाँ के लोग रेत खाकर जिंदा रहे थे..... जो भी हो हमने हाँ कर दी और "The Lakshya Bharati Foundation" के सौजन्य से अंतर्राष्ट्रीय वैश्य सम्मेलन के बैनर तले यह शिविर कराया गया। एक दिन के शिविर में 1678 की ओपीडी होना बहुत बड़ी बात थी। हमारे डॉक्टर, ऑप्टोमेट्रिस्ट व अन्य स्टाफ के साथ स्थानीय आयोजकों व श्री सत्यभूषण जी को शिविर में बहुत श्रम करना पड़ा।

शिविर में निम्न सेवाएँ दी गईं –

शिविर दिनांक	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
13 फरवरी, 2014	1678	312	484	1016

कालाहांडी षिविर में एक ही दिन में 312 रोगी मोतियाबिन्द के निकले जिनका ऑपरेशन कराना था। अगर शिविर न लगता तो क्या होता? शिविर में जिले के कलक्टर महोदय भी पधारें जिन्होंने सभी चयनितों के ऑपरेशन स्थानीय स्तर पर ही करवाने की व्यवस्था की.. .. ऑपरेशन कहीं भी हो अगर वृद्ध की आँख में रोशनी बचा ली गई तो बस यही ''तारा'' की कामयाबी है।

हमारे सभी सहयोगी जो तारा संस्थान को तन–मन–धन से सहयोग कर रहे हैं उनसे यह बात Share कर धन्यवाद देना चाहते हैं कि आप सबके कारण ये सब संभव है और आपका विश्वास हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

दीपेश मित्तल

गौरी योजना

मन का गहरा खालीपन है और अकेली हूँ, जैसे कोई निर्जन वन है और अकेली हूँ मैं,
जिनको सुनकर रातों को अकसर जग जाती हूँ मैं, मेरा अपना ही क्रन्दन है और अकेली हूँ मैं।

गीता दुबे, आयु 43 वर्ष, पता– जवाहर कॉलोनी, खरसिया (छ.ग.), गीता दुबे के पति श्री काशी प्रसाद दुबे का जनवरी 2011 में निधन हो गया। 2 पुत्र और 2 पुत्रियों की माता गीता दुबे के आमदनी का कोई स्रोत नहीं। बच्चे सभी अवयस्क हैं। 15 वर्षीय बड़ा पुत्र पान की दुकान पर मजदूरी करता है। इनको अपने बच्चों व स्वयं के भरण–पोषण में बहुत कठिनाई हो रही है। इनकी परिस्थितियों की तारा संस्थान के खरसिया शाखा अध्यक्ष श्री बजरंग बंसल को जानकरी मिली, तो उन्होंने गीता दुबे को आर्थिक सहायता के लिए तारा संस्थान की अध्यक्ष, श्रीमती कल्पना गोयल को निवेदन किया। तारा संस्थान ने गीता दुबे को 1000 रुपया मासिक नकद सहायता देना प्रारम्भ किया है।

चन्द्रकान्ता रावत आयु 35 वर्ष, आगरा (यू.पी.) की रहने वाली है। चन्द्रकान्ता के पति श्री कमलेष रावत का निधन 08 नवम्बर, 2010 में हुआ। इनके 2 पुत्रियाँ व 1 पुत्र है। इनके आय का कोई साधन नहीं है। ये स्वयं दूर–दूर पैदल चल कर लोगों के घरों में काम करके बड़ी कठिनाई से बच्चों की परवरिष कर रही हैं। रहने का मकान भी नहीं है। इनकी परिस्थिति जान कर तारा संस्थान ने इन्हें गौरी योजना के अन्तर्गत सहायता राषि देना प्रारंभ किया है।

मानवीय संवेदनाओं को आहत करने वाली असहाय विधवा महिलाओं की पीड़ाओं को कुछ कम करने के प्रयास के प्रति यदि आप भी इच्छुक हों, तो कृपया प्रति विधवा महिला 1000 रु. प्रतिमाह की दर से 01 माह, 03 माह, 06 माह, 01 वर्ष या इससे भी अधिक अवधि के लिए अपना दान-सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने का अनुग्रह करें।

हमारा स्वभाव कुछ ऐसा है कि हम नतीजे की परवाह किए बना अपने मनमुताबिक कामों को करना चाहते हैं, लेकिन अगर किसी बच्चे को बॉक्स में भरे सारे चॉकलेट खाने की इजाजत दे दी जाए, तो वह बीमार पड़ जाएगा। अगर उसी बच्चे को अनुशासित ढंग से एक, या दो चॉकलेट रोज़ खाने की इजाजत दी जाए, तो उसे लंबे समय तक आनन्द मिलेगा।

तृप्ति योजना

इस बार आपका परिचय उन असहाय बुजुर्गों से करवाया जा रहा है, जो दानदाताओं के सहयोग से संचालित हो रही तृप्ति सेवा योजना में खाद्य सामग्री सहायता से लाभान्वित हो रहे हैं। ये ऐसे चेहरे है, जिनके पास स्वयं के लिए दो समय भरपेट भोजन जुटाने का भी कोई साधन नहीं है –

नवली मीणा की आयु लगभग 70 वर्ष है। इनके पति श्री वेसा मीणा का निधन हो चुका है। ये जोगी वाड़ा (बारापाल) जिला – उदयपुर की रहने वाली हैं। इनके चार पुत्र हैं लेकिन इनमें से कोई भी इनकी देखभाल नहीं करता। ये इतनी परेशान हैं कि तकलीफों के चलते कहती हैं – ''बेटे नहीं होते तो भी अच्छा होता''। अधिक उम्र और कमजोरी के कारण ये मेहनत मजदूरी भी नहीं कर पाती हैं। दो वक्त का खाना भी नसीब नहीं हो पाता। घर की अवस्था भी दयनीय है। तारा संस्थान को जानकारी मिलने पर नवली मीणा को तृप्ति योजना के अन्तर्गत लगभग 2 वर्ष से खाद्य सामग्री सहायता पहुँचाई जा रही है। इस सहायता से इन्हें भूख की पीड़ा से मुक्ति मिली है।

90 वर्षीया बुजुर्ग पार्वती नाथ जोगीवाड़ा (बारापाल) जिला – उदयपुर की रहने वाली हैं। इनके 2 पुत्र हैं। एक बेटा अलग रहता है व दूसरा शहर में मजदूरी करके अपना पेट पाल रहा है। पार्वती नाथ की देखभाल करने वाला घर में कोई नहीं है। बेटे भी अत्यन्त निर्धन हैं। वे अपनी माँ के भरण–पोषण के लिए कुछ नहीं कर पाते। तारा संस्थान ने पार्वती नाथ को प्रतिमाह खाद्य – सामग्री सहायता देना प्रारम्भ किया है, जिससे पड़ोसी या कभी कभार बहु–बेटे पार्वती नाथ को दो समय भोजन बना कर खिला देते हैं। इस सहायता से पार्वती नाथ बहुत राहत महसूस कर रही हैं।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को 1500/- मूल्य की खाद्य-सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 252 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही है। आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि

रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

दिन चाहे ढल गया है, पर विश्वास बाकी है
आस का दीप मत बुझा, अभी कुछ उम्मीद बाकी है

दुःख की छाया जो कभी पड़े, तो वो जीवन का अंत नहीं
दिल में रहे जज्बात बाकी, तो जिन्दगी की धड़कन बाकी है
आस का दीप मत बुझा, अभी कुछ उम्मीद बाकी है

आनन्द वृद्धाश्रम से....

नये आवासी

श्री रूपचन्द्र छीपा की आयु 78 वर्ष है। ये कैलाश फैक्ट्री, उदयपुर के निवासी हैं। परिवार में इनके पत्नी, चार बेटे और दो बेटियाँ हैं। भरे पूरे परिवार वाले श्री रूपचन्द्र छीपा का किराणा व्यवसाय था। आमदनी सामान्य थी, और परिवार का भरण–पोषण हो जाता था। समय ने ऐसा पलटा खाया कि दुकान बन्द हो गई, और इनकी परेशानियाँ चालू हो गईं। इनका स्वयं का अपना मकान है, जिसे इनकी पत्नी ने बहला–फुसला कर अपने नाम करवा लिया। इनकी सार सम्भाल बन्द कर दी, खाना देना बन्द कर दिया और घर से निकाल दिया। आश्रयहीन होकर ये परिवीक्षा एवम् कारागृह कल्याण अधिकारी के पास गये, उन्होंने इन्हें यहाँ भेजा। अतः थक–हार कर ये आश्रय के लिए तारा संस्थान में आए। इनकी व्यथा सुनकर तारा संस्थान ने इन्हें आनन्द वृद्धाश्रम में विगत दो माह से आश्रय दिया है। भोजन, आवास, चिकित्सा सुविधा मनोरंजन के साधन आदि निःशुल्क सेवा मिलने से श्री रूपचन्द्र छीपा अब खुशहाल जीवन बिता रहे हैं।

वैलेण्टाइन दिवस पर बुजुर्गों को स्नेह – सम्मान के प्रतीक पुष्प भेंट करते हुए श्रीमती कल्पना गोयल

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।

01 माह – 5000 रु., 03 माह – 15000 रु., 06 माह – 30000 रु., 01 वर्ष – 60000 रु.

वृद्धाश्रम आवासियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। उनके लिए वृद्धाश्रम की सभी सेवाएँ सुविधाएँ – भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा देखभाल आदि, सर्वथा निःशुल्क हैं।

वृद्ध

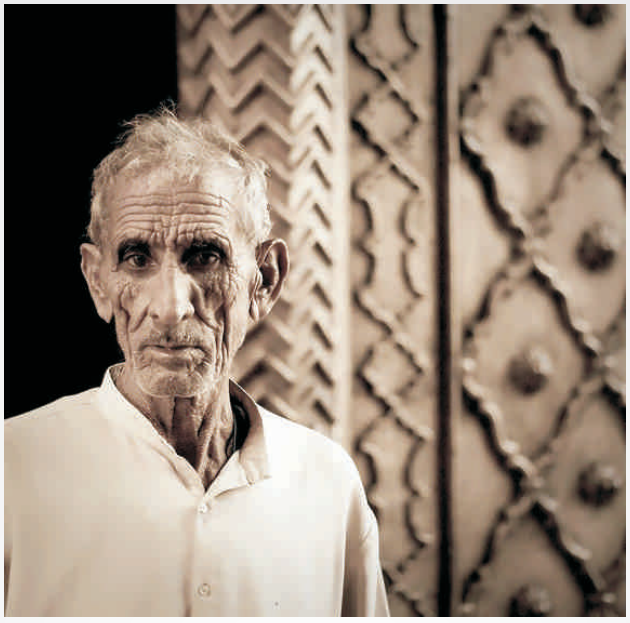

वो वृद्ध मेरे रिश्ते में तो नहीं, पड़ोसी जरूर थे,
अपने जमाने में अच्छे खासे मशहूर थे।
एक ही नहीं, दो बेटों को जन्म दिया था।
एक बेटा सरकारी अफसर, दूसरे की निजी कँपनी थी,
दोनों में से किसी को कोई नहीं कमी थी।
हर तरह की सँपत्ति, खुद के मकान थे,
लेकिन, उनके लिये पिता गैर जरूरी सामान थे।
बहुओं को ससुर, प्राइवेसी में दखल लगते थे,
नातियों को दादा, आधुनिकता में खलल लगते थे।
बेटों के घर उनका अलग कमरा बना था,
ड्राईंग रूम में बैठना, उनके लिये मना था।
अपने दुःख उन्हें खुद ही सहना था,
बारी–बारी से बेटों के घर पर रहना था।
जिसके घर में रहते, उसके ढँग से चलना था,
बुढ़ापे में अब, उन्हें आदतें बदलना था।
सारे बन्धन छूटे, जो मेहनत से बनाए थे,
सारे रिश्ते टूटे, जो आज तक निभाए थे।
मेरी तरफ उनका कुछ खास झुकाव था,
मेरा भी उनसे बहुत लगाव था।
मैंने कहा था –
आप इतना अपमान क्यूँ सहते हो?
पुश्तैनी मकान में क्यूँ नहीं रहते हो?
निरी भावनाओं में और मत बहिए,
अपने स्वाभिमान, मर्जी से रहिए।
वे बोले –
हमारा क्या है, थोड़ा और सह लेंगे,
बाद में बेटे कम से कम ये तो नहीं कहेंगे –
बाबूजी खुद तो अपना अच्छा नाम कर गए,
और जाते जाते हमको बदनाम कर गए।
उनकी ये बातें मेरे लिए सब थी,
उन्हें मान नहीं मिलने की मन में कसक थी।
दुनिया का हर पिता अपने फर्ज इसी तरह निभाता है,
बच्चे पिता की चिंता करे, न करे,
वो आखिरी दम तक बच्चों की भलाई चाहता है।
आज उनकी मौत पर मैंने भी दुःख जताया,
पर सच मानिये, मेरे मन ने खुशी का जश्न मनाया।
मुझे लगा जैसे उनकी किस्मत खुल गई,
और उन्हें इस जीवन से मुक्ति मिल गई।
रोज उनके मरने की कामना जो कर रहे थे,
जमाने के सामने आज खूब रो रहे थे।।

मोतियाबिन्द जाँच –ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से – 02 फरवरी, 2014 से 28 फरवरी, 2014 के मध्य आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	कुल ओ.पी.डी.	चयनित
12.02.2014	चेतना एजेन्सीज श्री राधेष्याम जी खण्डेलवाल, लखनऊ	117	15

तारा नेत्रालय, नवादा, दिल्ली में आयोजित शिविर

03.02.2014	श्री चैत्र राम जी मदन, निवासी : लाजपत नगर, दिल्ली 65	360	24
03.02.2014	श्री संदीप अरोड़ा जी एवं परिवार, निवासी : विजय नगर, दिल्ली 09	125	04
10.02.2014	श्रीमती शकुन्तला जी जैन – श्री सतीष चन्द्र जी जैन, दिल्ली	225	15
10.02.2014	श्री सी.पी. चड्डा जी, निवासी : वेस्ट पटेल नगर, दिल्ली 08	132	05
11.02.2014	जय श्री कृष्णा एवं गुप्ता परिवार लाजपत नगर, दिल्ली 24	78	03
13.02.2014	श्री जुगल किशोर भल्ला जी परिवार निवासी – दिल्ली 65	95	06
17.02.2014	जय श्री कृष्णा एवं अग्रवाल परिवार सेक्टर 09, रोहिणी, दिल्ली – 85	90	03
23.02.2014	श्रीमती राज लक्ष्मी गोस्वामी लन्दन, यू.के.	93	04
28.02.2014	श्रीमती कमला अरोड़ा, निवासी – मयूर विहार, दिल्ली 91	101	05

अन्य स्थानों पर आयोजित शिविर

दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	कुल ओ.पी.डी.	चयनित
02.02.2014	लढ्ढा चेरिटेबल ट्रस्ट, बैंगलोर	181	14

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर – 151000 रु.
चश्मा जाँच – चश्मा वितरण – दवाई सहयोग राशि, प्रति शिविर – 21000 रु.

दानदाताओं के सौजन्य से आयोजित शिविर

1. डॉक्टर द्वारा नेत्र रोगी की जाँच

2. जाँच के लिए प्रतीक्षा करते रोगी बन्धु

3. विषिष्ट अतिथि डॉ. हर्षवर्धन जी, नेता बी.जे.पी. षिविर में

4. षिविर में उपस्थित दान–दाताओं का सम्मान

5. रोगियों की जाँच

6. षिविर में उपस्थित दानदाता

7. षिविर में रोगियों का पंजीकरण

8. नेत्र रोगी को चष्मा वितरण

पृष्ठ–11 के फोटो वाले शिविरों का विवरण

क्र.सं.	शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
1.	06.02.2014	रेणु गुप्ता, निवासी – रोहिणी, दिल्ली	रोहिणी, दिल्ली	285	08	103	230
2.	07.02.2014	कृष्णा स्वरूप सखसरीया सा., गोरेगाँव (मुम्बई)	बोरीवली, मुम्बई	350	29	140	109
3.	10.02.2014	स्व. श्री लक्ष्मी चन्द जी जैन, निक्की पोइंट (पी.सी. जैन), गाँधीनगर, दिल्ली	कृष्णा नगर, दिल्ली	505	24	197	500
4.	11.02.2014	अरोड़ा परिवार, दिल्ली	सरिता विहार, दिल्ली	639	25	545	600
5.	13.02.2014	श्रीमती मनोरमा जी धवल निवासी – बसन्त विहार, दिल्ली	मोहन गार्डन, दिल्ली	285	08	137	142
6.	15.02.2014	माता लक्ष्मी सेवा संस्थान, पटियाला (पंजाब)	पटियाला (पंजाब)	535	14	350	495
7.	22.02.2014	श्रीमती अंजली चटर्जी, मुम्बई	मलाड पूर्व, मुम्बई	305	86	100	205
8.	25.02.2014	सुश्री रूपा वलेचा, विलेपार्ले (वे.), मुम्बई	बोरीवली, मुम्बई	296	30	115	100

तारा संस्थान के सरंक्षक श्री सत्यभूषण जैन के साथ श्री एस.एस. अग्रवाल व श्री राजेश गुप्ता (ओकाया)

पोण्टी चड्ढा फाउण्डेशन के सौजन्य से 27 जनवरी 2014 को गुरुद्वारा, गुरु नानक दरबार, टाण्डा (पंजाब) में आयोजित शिविर में अतिथि

जीवन में जितना खुशी का महत्त्व है, उतना ही यह भी महत्त्वपूर्ण है कि वह खुशी हम कहाँ से और कैसे हासिल करते हैं। यह हमारे नैतिक मूल्यों, अनुशासन और जिम्मेदारी का मिलाजुला नतीजा होती है।

हम अकसर सुनते हैं कि – ''जो तुम्हें अच्छा लगे, वो करो।'' इस बात का उलटा भी उतना ही सही है कि – जो करना जरूरी है, उसे पसंद करो। कई बार हमें ऐसे कामों को भी करना पड़ता है, जिन्हें करने की जरूरत है, वे चाहे हमें पसंद हों या न हों।

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्ढा की प्रेरणा से
"The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

षिविर में रजिस्ट्रेषन कराते नेत्र रोगी

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
03 फरवरी, 2014	गुरुद्वारा श्री गुरुसिंह सभा (रजि.), प्लोट नं. 181, नवघर रोड, भाईन्दर	187	39	14	32
09 फरवरी, 2014	श्री गुरु नानक दरबार, साई बाबा नगर, बोरीवली (वेस्ट), मुम्बई	147	16	19	27

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान उदयपुर , दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

''तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया''

श्री मोहन लाल अग्रवाल, श्रीगंगानगर

श्री हरि प्रकाष, श्रीगंगानगर

श्री अनन्त सिंह परमार

श्री सुरेष गर्ग, श्रीगंगानगर

श्री बहादुर सिंह शेखावत, शाजापुर (राज.)

श्री सुनील जैन, जयपुर

श्री मोहन लाल मीणा, जयपुर

श्री एन.सी. गर्ग, दिल्ली

'तारा' को 'अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन' का मिला सहयोग

Shri Ramdas Agrawal
Founder President, IVF
Ex. MP

Shri Ramesh Chandra Agrawal
Senior Working President, IVF
Chairman, Dainik Bhasker Group

Shri Surendra Gupta
Working President, IVF
Chairman, Aerens Gold Souk Group

Shri Satya Bhushan Jain
Working President, IVF
Patron, Tara Sansthan

''अंतर्राष्ट्रीय वैष्य महासम्मेलन'' के सहयोग से तारा संस्थान में कई षिविर आयोजित किए जा रहे हैं। IVF के संस्थापक अध्यक्ष रामदास जी अग्रवाल भी 25 जनवरी, 2014 को तारा संस्थान उदयपुर पधारें और आपश्री ने उदयपुर में षिविर का उद्घाटन भी किया। श्री अग्रवाल ने तारा संस्थान को उदयपुर के आसपास आदिवासी क्षेत्रों में षिविर आयोजित करने हेतु सहयोग भी प्रदान किया। IVF के वरिष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष और दैनिक भास्कर समूह के चेयरमैन, श्री रमेष चन्द्र अग्रवाल को भी IVF के सहयोग से होने वाले षिविरों की जानकारी तारा के संरक्षक व IVF के कार्यकारी अध्यक्ष श्री सत्यभूषण जी जैन दी। श्री सत्यभूषण जी जैन ने अपने माता–पिता स्व. श्रीमती कृष्णा देवी जैन एवं स्व. श्री रामनारायण जी जैन की स्मृति में IVF के तत्त्वावधान में 12 षिविर आयोजित वर्ष 2014 में कराने का संकल्प लिया है। इसी तरह IVF के तत्त्वावधान में उड़ीसा के कालाहांडी में ""The Lakshya Bharati Foundation"" के चेयरमैन श्री के.सी. गुप्ता सा. व डॉ. कमल कुमार जी के सौजन्य से षिविर आयोजित किया गया। तारा संस्थान अंतर्राष्ट्रीय वैष्य महासम्मलेन के सभी पदाधिकारियों व सदस्यगण का आभार व्यक्त करता है।

राष्ट्रपति भवन षिविर में पधारे अतिथिगण

कालाहांडी षिविर में पधारे अतिथिगण

उन्हीं के शब्दों में

श्री गौतम लाल गायरी, शेकडी, गायरी फला, तह. सराड़ा, जिला – उदयपुर (राज.)। पहले धुंधलापन सा होने लगा था। जिससे कहीं शाम को आ जा नहीं सकता था और दर्द भी होता था आँखों में मेरा ऑपरेशन 28 जनवरी, 2014 कोई दिक्कत नहीं है, पहले से कहीं अच्छा है, दिखने में, अब दर्द भी नहीं है। मुझे अब दर्द से राहत मिल गई है, एक भी पैसा नहीं लगा सारी सुविधाएँ निःशुल्क है। मेरे ऑपरेशन से पहले मेरे गाँव के कुछ लोगों ने यहाँ करवाया था। उन्होंने बताया कि बहुत अच्छा इलाज होता है तो हमने भी यहीं करवाया। मेरी आर्थिक स्थिति के चलते नहीं करा पाएँ और जब यहाँ के बारे में पता चला तो हमें वो जैसे रास्ता मिल गया बहुत बहुत धन्यवाद। यहाँ पर खाना – पीना रहना, सब बहुत अच्छी सेवा है। आपका बहुत बहुत धन्यवाद। जो आप ये मानव सेवा निःशुल्क कर रहे हैं इसके लिए धन्यवाद।

ऑपरेषन के बाद

ऑपरेषन के समय

तारा संस्थान के दानदाता

तारा संस्थान के दानदाता श्री राज बहादुर जैन के पुत्र श्री हरिप्रकाष जैन एवं अंजलि जैन के एक पुत्र व एक पुत्री है। पुत्र अंकित जैन का विवाह सुश्री सोनल जैन के साथ दिनांक 19 नवम्बर, 2013 को सम्पन्न हुआ। तारा संस्थान की ओर से नवयुगल को हार्दिक शुभकामनाएँ....

महावीर बैंगल स्टोर, शॉप नं. 7, न्यू बस स्टैण्ड, दुर्ग महावीर इंविषन, शॉप नं. 8, न्यू बस स्टैण्ड, दुर्ग

दिल्ली में प्रतिमाह होने वाला निर्धारित शिविर

शिविर हेतु निर्धारित स्थान	शिविर हेतु नियत दिन
वी. आर. बॉक्स मेकर्स, 9/5911, सुभाष मोहल्ला न. 02, गोरी शंकर मंदिर के पास, गाँधीनगर, दिल्ली	प्रत्येक माह का प्रथम सोमवार
जैन स्थानक, ऋषभ विहार, दिल्ली – 92	प्रत्येक माह का द्वितीय सोमवार
पेपर मर्चेन्ट्स एसोसिएषन (रजि.), कागज भवन, चावड़ी बाजार, दिल्ली	प्रत्येक माह का तृतीय सोमवार
श्रीमती कस्तुरी देवी जैन धर्माथ औषधालय, 43 भोगल रोड, जगपुरा, दिल्ली– 14	प्रत्येक माह का चतुर्थ सोमवार
अस्थवक रिहेबिलेशन सेन्टर, मधुबन चौक, रोहिणी कोर्ट के पीछे, सिंडीकेट बैंक के पास, रोहिणी, दिल्ली	प्रत्येक माह का प्रथम गुरुवार
WE–169, रामा पार्क रोड, मोहन गार्डन, सत्या एसोसिएट, दिल्ली	प्रत्येक माह का द्वितीय गुरुवार
जस्टिस गोपाल सिंह चेरिटेबल ट्रस्ट हॉस्पीटल, 22–ए, मियावाली कॉलोनी, गुड़गाँव, हरियाणा	प्रत्येक माह का तृतीय गुरुवार
दिगम्बर जैन मंदिर, अतिशय महावीर वाटिका, 3–एफ (नियर वाटर टैंक), वैशाली, गाजियाबाद (यू.पी.) 201010	प्रत्येक माह का चतुर्थ रविवार

श्रीमती दर्षनी देवी जैन

स्व. लाला वीरसेन जी जैन

स्व. लाला वीरसेन जी जैन के स्मृति में धर्मपत्नी श्रीमती दर्षनी देवी जैन व पुत्र श्री विजय जैन ने दिल्ली नियत (Fixed) षिविरों में चावड़ी बाजार षिविर अगले 11 माह हेतु सौजन्य करने का संकल्प किया है। तारा परिवार का धन्यावद।

आपश्री भी अपने सहयोग से इन नियत (Fixed) स्थानों में से किसी पर भी षिविर आयोजित करवा सकते हैं।

सौजन्य राषि दिल्ली षिविर हेतु – 31000 रु.

सौजन्य राषि एन.सी.आर. षिविर हेतु – 51000 रु.

हापुड़ निवासी डॉ. राजकुमारी गुप्ता के सौजन्य से शिविर

डॉ. राजकुमारी गुप्ता, हापुड़ (उत्तर प्रदेष) के सौजन्य से 2 फरवरी, 2014 को फरीदाबाद (यू.पी.) में षिविर आयोजित करवाया गया। षिविर में 670 रोगियों की जाँच की गई, जिनमें से 14 का ऑपरेषन के लिए चयन हुआ, 345 को चष्मे वितरित किये गए एवम् 615 रोगियों को दवाइयाँ वितरित की गईं। यह उल्लेखनीय है कि डॉ. राजकुमारी गुप्ता के सौजन्य से 16 दिसम्बर, 2013 को चावड़ी बाजार, दिल्ली में तथा 5 जनवरी, 2014 को फरीदाबाद में भी षिविर आयोजित हो चुके है तथा मार्च, 2014 में भी एक षिविर प्रस्तावित हैं। आपके सौजन्य से अब तक आयोजित षिविरों में कुल लाभान्वितों का विवरण इस प्रकार है –

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
16 दिसम्बर, 2014	पेपर मर्चेन्ट्स एसोसिएषन (रजि.), कागज भवन, चावड़ी बाजार, दिल्ली	586	03	345	480
05 जनवरी, 2014	आषा कोनवेन्ट, हाई स्कूल, संजय कॉलोनी, से. 23, एन.आई.टी, फरीदाबाद	718	18	268	680
02 फरवरी, 2014	ऐलपिस कोनवेन्ट, बल्लबगढ़, सोहना रोड, फरीदाबाद (हरियाणा)	670	14	345	615

THEY VISITED US

One of Tara Sansthan's most prominent supporters and Texas (USA) based well-wisher Shri Shell Goel paid a visit to Tara Sansthan on February 18, 2014. Since then Shri Goel has always been in the fore-front in After visiting Tara Sansthan and meeting the beneficiaries of Gauri, Tripti, Shri Shell Goel expressed satisfaction over the quality and content of the services and Smt. Kalpana Goyal and Shri Deepesh Mittal in articular for their relentless efforts in serving the suffering fellow humans. He wished them all well.

Shri Kulbhushan Prashar, President of Birmingham (England) branch of Tara Sansthan visited Tara Sansthan on February 2, 14 Shri Prashar sponsored a Cataract detection-cum-selection for operation camp to coincide with his birthday. Shri Kulbhushan Prashar sponsored 3 Cataract Detection-cum-selection for operation camps also at Hoshiyarpur, Punjab. Details of beneficiaries are as follows –

Camp Date	Venue	OPD	Selected	Spectacles	Medicines
23-02-2014	Ram Mandir, Rishi Kutiaa, G.T. Road, Goraya, Jalandhar (PB)	512	12	415	470
27-02-2014	Hari Dham Mandir, Patti Surtia, V.P.O. Bundala, Jalandhar (PB)	450	14	260	421
02-02-2014	Bhai Hazari Mandir, V.P.O. Shankar Teh. Nakodar, Jalandhar (PB)	375	09	232	350

Kindly watch telecast of Tara's Programme on T.V. Channels

पारस
'पारस' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

आस्था भजन
'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण
प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

MA T.V. (UK)
'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries

'Tara' Contact Details - Office

Mumbai Office
Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post,
Thane - 401104 (M.S.) INDIA
Shri Amit Vyas Cell : 07666680094
Shri Madhusudan Sharma Cell : 09870088688

Delhi Office
WZ-270, Village - Nawada,
Opp. 720, Metro Pillar,
Uttam Nagar,
Delhi - 59
Shri Amit Sharma,
Cell : 09999071302, 09971332943

Surat Office
295, Chandralok Society,
Parwat Gaon,
Surat (Guj.)
Shri Prakash Acharya
Cell : 08866219767 (Guj.)
09829906319 (Raj.)

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai (M.S.)
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Prahlad Rai Singhaniya
Hyderabad (A.P.)
Cell : 09849019051

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Smt. Pooja Jain
Saharanpur (UP)
Cell : 09411080614

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Vikas Chaurasia
Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006, 09414473392

Shri Dinesh Taneja
Barelly (UP)
Cell : 09412287735

Area Specific Tara Sadhak

Shri Kamal Didawania
Area Chandigarh, Haryana
Cell : 08950765483 (HR),
09001864783

Shri Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 09660153806,
09649999540

Shri Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 08882662492,
09602554991

Shri Sanjay Choubisa
Shri Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 09602506303, 09887839481

Donors Kindly NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. number, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

घोषणा – पत्र

फार्म – 4 (देखिये नियम – 8) (तारांशु के संबंध में स्वामित्व का विवरण और अन्य विशिष्टियां)

प्रकाशन का स्थान 240 ए, हिरण मगरी, सेक्टर 6, उदयपुर (राज.)
प्रकाशन की नियत कालिका–मासिक
मुद्रक का नाम : श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा
राष्ट्रीयता : भारतीय
पता : सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश)
प्रकाशक का नाम : श्रीमती कल्पना गोयल
राष्ट्रीयता : भारतीय
पता : 240 – ए, सेक्टर – 06, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)

सम्पादक का नाम : श्रीमती कल्पना गोयल
राष्ट्रीयता : भारतीय
पता : 240 – ए, सेक्टर – 06, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)
नाम व पता उन व्यक्तियों का जो समाचार पत्र का स्वामित्व रखते हैं और उनका जो कुल पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक हिस्से के अंशधारी या साझेदार हैं। : श्रीमती कल्पना गोयल, पूर्ण स्वामित्व, 240 ए, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.),
क्र.सं. 3 व 4 के अनुसार मैं श्रीमती कल्पना गोयल एतद्द्वारा घोषणा करती हूँ कि उपर्युक्त दी गई विशिष्टियाँ मेरी अधिकतम जानकरी में एवं विश्वास से सत्य हैं।
दिनांक : 01.03.2014

कल्पना गोयल
प्रकाषक के हस्ताक्षर

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. S.N. & Mrs Rajni Gupta
Bareilly

Mr. Anil V. & Mrs. Anita Godbole
Ujjain (MP)

Mr. O.P. & Mrs. Anant Garg
Rawatbhata (Raj.)

Mr. Suraj Narayan & Mrs. Indra Gupta
Bareilly

Mr. Jag Mohan & Mrs. Pratibha Maheshwari
Kolkata

Dr. Alok Singh & Dr. Bhawana Singh
(Godbole), Jabalpur (MP)

Mr. Vivek Anil & Mrs. Amrita Godbole
Ujjain (MP)

Mr. & Mrs. Manisha Manoj
Ghaziabad

Mr. Harish Chand & Mrs. Vidhya Verma
Kanpur (UP)

Mr. Jagroshan Prasad & Rukmani Devi
Bareilly

Mr. Ghanshyam Das & Mrs. Premlata
Kherthal (Raj.)

Mrs. Mini Jain
Muradabad

Mr. Jitendra Kumar Chouhan
Rampur (UP)

Mr. Shiv Kumar Agrawal
Lucknow (UP)

Mr. Chunnaram Chaudhary
Bangalore

Mr. Devraj Kothari
Bangalore

Miss. Deepali Mishra
Kanpur

Mrs. Vidhya Anil Godbole
Puna, Maharashtra

Mr. Yuvraj Yadav
Kanpur

Mr. Radheshyam Gupta
Jaipur

Mr. Nagar Mal Agrawal
Jaipur

Mr. Akkhare

Mr. V.K. Chhatred
Kolkata

Mrs. Parvati Devi Pandey
Rampur (UP)

Mr. Dharmdev Vaishya
Bareilly

Mr. Aazad Khan
Kherthal (Raj.)

Mr. Ashu Jain
Muradabad

Mrs. Saroj
Mumbai

Mrs. Vinita Saxena
Delhi

Mr. J.C. Sharma
Ambala City (HR)

ENLIGHTENED PERSPECTIVE

"Love me when I deserve it the least because that is when I need it the most" - written by Andy Rooney, a man who had the gift of saying so much with so few words.

.... That the best classroom in the world its at the feet of an elderly person.
.... That having a child fall asleep in your arms is one of the most peaceful feelings in the world.
.... That being kind is more important than being right.
.... That I can always pray for someone when I don't have the strength to help him in some other way.
.... That sometimes all a person needs is a hand to hold and a heart to understand.
.... That we should be glad God doesn't give us everything we ask for.
.... That it's those small daily happenings that make life so spectacular.
.... That under everyone's hard shell is someone who wants to be appreciated and loved.
.... That when you plan to get even with someone, you are only letting that person continue to hurt you.
.... That everyone you meet deserves to be greeted with a smile.
.... That everyone wants to live on top of the mountain, but all the happiness and growth occurs while you're climbing it.

Courtesy - Bachchu Kotecha, Leicester (England)

दुनिया को सर्वश्रेष्ठ संगीत देने वालों में एक बीथोवन भी थे – उनकी अक्षमता (Handicap) क्या थी?वे बहरे थे। प्रकृति के ऊपर सर्वश्रेष्ठ कविताएँ लिखने वालों में एक थे मिल्टन – उनकी अक्षमता क्या थी? वे अंधे थे। फ्रैकलिन डी. रुजवेल्ट अमरीका के सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रपति और दुनिया के महानतम नेताओं में से थे – उनकी अक्षमता क्या थी?वे चल–फिर नहीं पाते थे, जिससे उन्हें व्हील चेयर पर बैठ कर ही काम करना पड़ता था।

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G and 35 AC / 80GGA of I.T. Act. 1961 at the rate of 50% and 100%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	**IFS Code : icic0000045**
ICICI Bank (H.M. Sec. 4) A/c No. 693501700205	**IFS Code : icic0006935**
SBI A/c No. 31840870750	**IFS Code : sbin0011406**
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	**IFS Code : IBKL0001166**
Axis Bank A/c No. 912010025408491	**IFS Code : utib0000097**
HDFC A/c No. 12731450000426	**IFS Code : hdfc0001273**
Canara Bank A/c No. 0169101056462	**IFS Code : cnrb0000169**
Central Bank of India A/c No. 3309973967	**IFS Code : cbin0283505**

For online donations - kindly visit - www.tarasansthan.org
Pan Card No. Tara - AABTT8858J

TARA NETRALAYA

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59

DELHI HOSPITAL - Tara Netralaya
+91 9560626661, 011-25357026

TARA NETRALAYA

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401104 (M.S.) INDIA

MUMBAI HOSPITAL - Tara Netralaya
Shankar Singh Rathore +91 8452835042
022 - 28480001

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक समाचार पत्र, मार्च, 2014

RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2012-2014, Dates of Posting - 11th to 18th each month at Udaipur H.O.

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.

चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन, आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G व 35AC/ 80GGA के अन्तर्गत आयकर में 50% व 100% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045	Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097
ICICI Bank (H.M. Sec 4) A/c No. 693501700205	IFS Code : icic0006935	HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFS Code : cnrb0000169
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFS Code : IBKL0001166	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFS Code : cbin0283505

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण
प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

MA T.V. (UK)
'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

बुक पोस्ट

Tara
बुजुर्गों के लिए...

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org

मत पूछो बहते जीवन का, उन्माद रहेगा कब तक।
आती जाती इन सांसों का, साथ चलेगा कब तक।।
बहने दो दिल के तारों से, झंकार छुपे उन रागों को।
मत पूछो सुने हृदय में, आलाप उठेगा कब तक।

खामोशियों के रिश्ते निभाना मुझे आता है
हर दर्द से इस दिल को लगाना मुझे आता है
जो तुम हँसो हँसता हूँ, अगर रो दो तो रोता हूँ
जो जैसे हैं संग उसके जीना मुझे आता है

चाँदनी से रात बतियाने सहेली आ गयी
कुछ मुंडेरों के मुकद्दर में चमेली आ गयी
पैर भी सुस्ता लिये, आँखों ने भी दम ले लिया
जिंदगी की राह में, दिल की हवेली आ गई
झाँकता है हर कोई ऐसे दिल–ए–नाशाद में
जैसे आंगन में कोई नवेली आ गई
बोझ कंधों का उतर कर गिर गया जाने कहाँ
जब मेरे सिर पे बुजुर्गों की हथेली आ गई

अगर आप खुद के मान–सम्मान को महत्त्व देते हैं, तो गुणवान लोगों की संगति में रहें। खराब संगत में रहने से तो अच्छा है कि आप अकेले ही रहें।

जिंदगी की सबसे खूबसूरत नैभत यह है कि जब भी किसी का भला किया जाए तो अपना भला कुदरती रूप से अपने आप हो जाता है।

आई.वी.एफ. के सौजन्य से 2 शिविर आयोजित

अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा आयोजित करवाए जाने वाले शिविरों में श्रीमती सुषमा जैन, धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन, संरक्षक तारा संस्थान के सौजन्य से 8 फरवरी, 2014 को राष्ट्रपति भवन, दिल्ली में शिविर आयोजित करवाया गया। शिविर में लाभान्वितों का विवरण इस प्रकार है– कुल ओ.पी.डी 451, ऑपरेशन हेतु चयनित 12, चश्मे वितरित 195, श्रवण यन्त्र वितरित 09, दवाई वितरण 283, चयनित रोगियों के मोतियाबिन्द ऑपरेशन तारा नेत्रालय, दिल्ली में करवाए गए।

आई.वी.एफ. दिल्ली के सौजन्य से 13 फरवरी, 2014 को कालाहाण्डी (उड़ीसा) में शिविर आयोजित करवाया गया, जिसमें 285 रोगियों की जॉच की गई तथा 312 रोगियों का मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। शिविर में 484 रोगियों को चश्मे एवम् 1016 रोगियों को दवाइयाँ वितरित की गईं।